Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to allocate funds for construction of various pilgrim circuits in Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, केन्द्र सरकार के माननीय वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली जी ने 17 जून, 2016 को देश के कई तीर्थाटन और पर्यटन केन्द्रों के विकास के लिए दर्जनों परिपथों-सर्किट की घोषणा की थी। उनमें 'रामायण सर्किट' प्रमुख है। रामायण परिपथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या से महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि, जो मेरा संसदीय क्षेत्र बक्सर है, जहाँ भगवान राम की दीक्षा और प्रशिक्षण भूमि है। वहाँ उन्होंने महर्ष़ि विश्वामित्र जी से प्रशिक्षण प्राप्त करके असुरों का वध किया था। वहाँ से होते हुए सीतामढ़ी, जनकपुर धाम एवं देश के अन्य स्थानों पर, जहाँ-जहाँ त्रेता युग में भगवान राम गये थे, उन सभी क्षेत्रों का विकास करना था।

इसके साथ ही, वर्ष 2015-16 के बजट में मेरे द्वारा बिहार में रामायण सर्किट के साथ-साथ कांवरिया सर्किट (सुल्तानगंज से देवघर जाने वाली कांवर यात्रा) गया-नालन्दा से विक्रमशिला तक बुद्ध सर्किट को जोड़ने, मंदार पर्वत, जिससे समुद्र-मंथन हुआ था, वहाँ 'मंदार सर्किट', भागलपुर जैन तीर्थंकर का प्रमुख स्थान रहा है, वहाँ 'जैन सर्किट' से जोड़ने और इन सभी तीर्थाटन केन्द्रों के विकास के लिए परिपथ-सर्किट निर्माण का आग्रह किया गया था तथा प्रधानमंत्री जी को भी इसके लिए आवेदन देकर आग्रह किया था।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने वर्ष 2015 में 18 अगस्त को बिहार में इसकी घोषणा भी की थी। उक्त योजनाओं के साथ उन्होंने बिहार में इसके लिए 600 करोड़ रुपये पर्यटन-तीर्थाटन क्षेत्र के विकास हेतु देने की घोषणा भी की थी।

आपके माध्यम से मेरा आग्रह है कि उक्त योजनाओं के लिए जिस धनराशि की घोषणा की गयी थी, उसके माध्यम से जो काम होना था, वह काम अभी तक नहीं हुआ है।

इसलिए मैं आग्रह करूँगा कि बक्सर सहित सभी परिपथों के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित कर, उसका क्रियान्वयन केन्द्र सरकार के माध्यम से शीघ्र कराया जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।